

छेए मदमो. छये

छेक अभिऊ. दशस्कं(१). नरका. प्रेमाका.

छेडो, अंत; अखाका. वित्तसं. अंत,

छेडो; साव, [जराय] [सं.छेद+क]

छेकडि उक्तिर. [*छेकवानुं साधन के *छिद्र पाडवानुं साधन] (*सं.छिद्रकरी)

छेकि आरारा. छेक सुधी, पुष्कळ, पूरेपूरं

छेड नरका. छेडती

छेदि ० षडाबा. छेडो, हद

छेबकै जिनरा. [छिद्र वाटे], छुपाईने

छेय प्राचीसं. अंत, छेडो [सं.छेद]

छेल अखाका. चतुचा. पंचवा. रसिक, चतुर

छेबट्टि जिनरा. छेवट्टा संस्थान, [पाटा, खीली वगेरे विना हाडकां अरसपरस एम ज वळगेलां होय तेवो शरीरबंध] [जै.] [सं.छेद+पट्ट]

छेबेट (लीधा छे बेट) *प्रेमाका. [वींटी लीधा छे]

छेह आराम. छेद, भंग; अंबरा. षट्पि.

खोट, [हानि]; अभिऊ. आरारा.

ऋषिरा. उपबा. कादं(शा). कामा(शा).

गुर्जरा. दशस्कं(१). प्राचीसं. विमप्र.

वीसरा. सिंहा(शा). षडाबा. छेडो; अंत;

उषाह. कपडानो-छेडो, आरारा. उषाह.

तेरका. नलरा. नलाख्या. प्रेमाका.

हरिख्या. विश्वासभंग, दगो, छोडी देवुं

ते, त्याग; हरिख्या. घा, दुःख (सं.छेद)

छेह *शृंगामं. [धूळ] [रा.]

छेहडइ आनंस्त. उपबा. छेडे, अंते

छेहडउ प्रद्युचु. वस्त्रनो छेडो; आरारा.

विकरा. छेडो, अंत (सं.छेद+ड)

छेहल्यो आनंस्त. छेह्लो

छेहा विमप्र. दगो, [त्याग]

छेहि उक्तिर. छेडे, अंते

छेहिलुं उक्तिर. उपबा. छेहुं

छेहु नेमिछं. छेह, दगो

छेहे मदमो. छ

छोई चतुचा. स्पर्शी

छोकलडां प्रेमाका. छोगां, वस्त्रना टुकडा, [अंगूछा]

छोछ प्रेमाका. अशुद्धि, अपवित्रता

छोछुं सिंहा(शा). ओछुं; चंद्रवा. हलकुं; प्रेमाका. *नमालुं, असहाय, एकलुं (सं. तुच्छ, प्रा.छुच्छ)

छोड-भलाई दशस्कं(१). प्रेमाका.

छोडाववानीं भलाई, एनो जश

छोति उक्तिर. छोट, अस्पृश्यनो स्पर्श, स्पर्शदोष, मलिनता [दि.छुत्ति]

छोबन प्राचीका. छोबंध, छोवाळां (सं. सुधा+बद्ध)

छोयो *नरका. स्पर्श्यो

छोवरावियां प्रेमाका. चूनाथी धोळाव्यां

छोवाय प्रेमाका. अभडाया, अपवित्र थाय

छोह प्राचीसं. क्षोभ, [रोष]; अभिऊ. क्षोभ, [आघात, दुःख]; हम्मीप्र. प्रक्षोभ, शूरातन

छोह उक्तिर. षडाबा. षट्पि. चूनानी छो (सं.सुधा)

छोहरी उषाह. छोकरी, छोरी [दि.]

छोहलउ [?] सोहलउ] प्राचीसं. उत्सव